बिन बोले बात

एन.सी.ई.आर.टी. पाठ्यपुस्तक (पृष्ठ संख्या 43)

➢ कैसा लगा यह खेल?

उत्तर यह खेल बहुत रोचक लेकिन थोड़ा मुश्किल लगा।

➢ क्या बिना बोले नाटक करने में मुश्किल आई?

उत्तर हाँ, बिना बोले नाटक करने में मुश्किल आई।

➢ क्या तुमने कभी किसी को इशारों से बातें करते देखा है?

उत्तर हाँ, मैंने मूक लोगों तथा स्टेज कलाकारों को इशारों से बातें करते देखा है।

➢ लोगों को इशारों में बात करने की जरूरत कब पड़ती है?

उत्तर मूक-बधिर लोग बोल नहीं पाते, इसलिये उन्हें इशारों में बात करने की जरूरत पड़ती है। कुछ स्टेज कलाकार भी इशारों में बात करते हैं।

एन.सी.ई.आर.टी. पाठ्यपुस्तक (पृष्ठ संख्या 46)

➢ अपने आस-पास के छोटे बच्चों (करीब 6-8 महीनों के) को देखो। वे अपनी बात बिना बोले कैसे कहते हैं?

उत्तर 6 से 8 महीनों के बच्चे अजीबोगरीब आवाजें और इशारों से अपनी बात कहते हैं। बच्चे की माँ और परिवार के अन्य लोग उसकी बात समझने में माहिर हो जाते हैं।

➢ यह आफताब है। उसका खिलौना गिर कर टूट गया है। वह दुखी है। कैसा होगा उसका चेहरा?

उत्तर

एन.सी.ई.आर.टी. पाठ्यपुस्तक (पृष्ठ संख्या 47)

➢ यह जूली है। कल ही उसकी छोटी बहन पैदा हुई है। वह बहुत खुश है। उसका चेहरा बनाओ।

उत्तर

➢ यह यामिनी की अम्मा है। आज यामिनी ने जब रसोई से अचार की शीशी निकाली, शीशी गिर कर टूट गई। अम्मा का चेहरा बनाओ।

उत्तर

➢ यह रेहाना है। रेहाना को कुत्तों से बहुत डर लगता है। वह खेल रही थी। अचानक उसके सामने एक कुत्ता आ गया। कैसा होगा रेहाना का चेहरा?

उत्तर

एन.सी.ई.आर.टी. पाठ्यपुस्तक (पृष्ठ संख्या 48)

➢ तुम्हारे साथ कभी ऐसा हुआ है कि तुमने कोई शरारत की हो और माँ को तुम्हारा चेहरा देखकर ही समझ में आ गया हो?

उत्तर हाँ, मेरी माँ मेरा चेहरा देखकर हमेशा ही मेरी शरारत समझ लेती है।

➢ नीचे नाच की कुछ मुद्राएँ दी हैं। बताओ, ये मुद्राएँ क्या दिखा रही हैं?

(एन.सी.ई.आर.टी. पाठ्यपुस्तक, पृष्ठ संख्या 48 देखें)

उत्तर स्वयं करो।

➢ नाच की कुछ मुद्राएँ तुम भी सीखो और करके दिखाओ।

उत्तर स्वयं करो।

एन.सी.ई.आर.टी. पाठ्यपुस्तक (पृष्ठ संख्या 49)

➢ चित्र को देखकर, अपने मन से कहानी बनाओ और अपने साथियों को सुनाओ।

उत्तर एक गिलहरी थी। वह एक बरगद के पेड़ पर रहती थी। एक दिन उसने कुछ चावल, दाल और सब्जी इकट्ठा की। उसने खिचड़ी बनाई। उसने अपने दोस्तों को बुलाया। उसके दोस्तों ने पार्टी का आनंद लिया। उन्होंने गिलहरी को धन्यवाद दिया।